68 मरीजों की जांच कर आयुर्वेद पद्धति से उपचार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नेपानगर. केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड के चिकित्सालय में सीएमडी कमोडोर अरविंद वढेरा विशिष्ट सेवा मेडल के मार्गदर्शन और उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिल झंझडीवाल के चिकित्सकीय निर्देशन में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर की शुरुआत भगवान धनवंतरी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुई। इस वर्ष की थीम जन और प्रकृति के लिए आयुर्वेद पर बोलते हुए डॉ. अनिल कुमार झंझडीवाल ने कहा आयुर्वेद केवल उपचार की पद्धति नहीं बल्कि जीवन जीने की कला है। यह हमें प्रकृति के साथ संतुलित रहना सिखाता है। आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. शांतिलाल भिलावेकर ने कहा मानव और प्रकृति का रिश्ता अविभाज्य है। आयुर्वेद इस रिश्ते को और गहरा बनाता है। हमें जड़ी-बुटियों और प्राकृतिक संसाधनों से ही वास्तविक स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है। शिविर में डॉ. वर्षा रोकड़े और डॉ. रेमसिंग खरते ने 68 मरीजों की जांच कर आयुर्वेद पद्धति से उपचार किया।

स्वदेश

खंडवा - मुख्य संस्करण

Date 24 Sept 2025

राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर निःशुल्क शिविर

स्वदेश समाचार ■ बुरहानपुर

नेपा लिमिटेड चिकित्सालय में मंगलवार को 10वां राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस मनाया गया। सीएमडी कमोडोर अरविंद वढेरा के मार्गदर्शन और उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिल कुमार झंझडीवाल के नेतृत्व में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर की शुरुआत भगवान धन्वंतरि की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुई। इस वर्ष की थीम जन और प्रकृति के लिए आयुर्वेद रही। डॉ. झंझडीवाल ने कहा, आयुर्वेद केवल उपचार की पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। यह हमें प्रकृति के साथ संतुलन में रहना सिखाता है। वहीं डॉ. शांतिलाल भिलावेकर ने बताया कि मानव और प्रकृति का रिश्ता अविभाज्य है और आयुर्वेद इसे और मजबूत करता है। शिविर में डॉ. वर्षा रोकड़े और डॉ. रेमसिंग खरते ने 68 मरीजों की जांच कर उपचार किया। 24 मरीजों की शुगर जांच हुई और सामान्य ज्वर, श्वास, कास, चर्म रोग व उदर रोग जैसे मामलों में औषधियां वितरित की गई।

दैनिक भास्कर
बुरहानपुर 24-09-2025

आयुर्वेद केवल उपचार की पद्धति नहीं बल्कि जीवन जीने की कला भी है : डॉ. झंझड़ीवाल

भास्कर संवाददाता | नेपानगर

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड के चिकित्सालय में सीएमडी कमोडोर अरविंद वढेरा विशिष्ट सेवा मेडल के मार्गदर्शन और उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिल कुमार झंझड़ीवाल के चिकित्सकीय निर्देशन में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर की शुरुआत भगवान धन्वंतरि के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुई। इस वर्ष की थीम जन और प्रकृति के लिए आयुर्वेद पर बोलते हुए डॉ. अनिल कुमार झंझड़ीवाल ने कहा आयुर्वेद केवल उपचार की पद्धति नहीं बल्कि जीवन जीने की कला है। यह हमें प्रकृति के साथ संतुलित रहना सिखाता है। आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. शांतिलाल भिलावेकर ने कहा मानव और प्रकृति का रिश्ता अविभाज्य है। आयुर्वेद इस रिश्ते को और गहरा बनाता है। हमें जड़ी-बूटियों और प्राकृतिक संसाधनों से ही वास्तविक स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है। शिविर में डॉ. वर्षा रोकड़े और डॉ. रेमसिंह खरते ने 68 मरीजों की जांच कर आयुर्वेद पद्धति से उपचार किया। औषधियों का वितरण किया। साथ ही 24 मरीजों की शुगर जांच भी की गई। सामान्य ज्वर, श्वास, कास, अतिसार, वमन, चर्म रोग, उदर रोग सहित मरीजों के बीपी और शुगर की जांच भी की गई। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत औषधीय पौधों का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में आयुष विभाग से आसिफ इकबाल, राधाकिशन मुजाल्दे, हर्षल पाटिल, सलोनी ठाकुर, विनोद खैरे और जितेंद्र उपस्थित रहे। नेपा लिमिटेड अस्पताल की ओर से रेमो फ्रांसिस, मोहिंदर यादव, हैरिसन भंडारे, जगदीश चौहान, रिजवान शाह, शेख नफीस, वेदांत वाघमारे, ज्योति स्वामी, मुस्तरी बेगम, प्रमोद पाटिल, कांताबाई, डॉ. मसूद मशरूवाला, कैलाश वर्मा मौजूद थे।

आयुर्वेद केवल उपचार की पद्धति नहीं बल्कि जीवन जीने की कला है - डॉ.अनिल कुमार झंझडीवाल

नेपा लिमिटेड चिकित्सालय में मंगलवार को10 वां राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस मनाया गया

दैनिक खबरों की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ रविंद्र इंगले

बुरहानपुर/नेपानगर। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड के चिकित्सालय में सीएमडी कमोडोर अरविंद वढेरा विशिष्ट सेवा मेडल के मार्गदर्शन और उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.अनिल कुमार झंझडीवाल के चिकित्सकीय निर्देशन में नि:शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की शुरुआत भगवान धन्वंतरि के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुई। इस वर्ष की थीम जन और प्रकृति के लिए आयुर्वेद पर बोलते हुए डॉ.अनिल कुमार झंझडीवाल ने कहा—आयुर्वेद केवल उपचार की पद्धति नहीं बल्कि जीवन जीने की कला है। यह हमें प्रकृति के साथ संतुलित रहना सिखाता है। आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ.शांतिलाल भिलावेकर ने कहा—मानव और प्रकृति का रिश्ता अविभाज्य है,आयुर्वेद इस रिश्ते को और गहरा बनाता है। हमें जड़ी-बूटियों और प्राकृतिक संसाधनों से ही वास्तविक स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है। शिविर में डॉ.वर्षा रोकड़े और डॉ.रेमसिंग खरते ने 68 मरीजों की जांच कर आयुर्वेद पद्धति से उपचार किया तथा औषधियों का वितरण किया। साथ ही 24 मरीजों की शुगर जांच भी की गई। सामान्य ज्वर, श्वास,कास,अतिसार,वमन,चर्म रोग,उदर रोग सहित मरीजों के बीपी और शुगर की जांच भी की गई। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत औषधीय पौधों का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में आयुष विभाग से आसिफ इकबाल,राधाकिशन मुजाल्दे,हर्षल पाटिल,सलोनी ठाकुर,विनोद खैरे और जितेंद्र उपस्थित रहे। नेपा लिमिटेड अस्पताल की ओर से रेमो फ्रांसिस, मोहिंदर यादव,हैरिसन भंडारे, जगदीश चौहान, रिजवान शाह,शेख नफीस, वेदांत वाघमारे, ज्योति स्वामी, मुस्तरी बेगम, प्रमोद पाटिल और कांताबाई मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ.मसूद मशरूवाला ने किया और आभार कैलाश वर्मा ने माना।

आयोजन नेपा चिकित्सालय में शिविर में 24 मरीजों की जांच की गई

जीवन जीने की कला भी है आयुर्वेद पद्धति

नईदुनिया संजय चौहान 9406689018

नईदुनिया न्यूज, नेपानगर: नेपा लिमिटेड के चिकित्सालय में सीएमडी अरविंद वढेरा के मार्गदर्शन और उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. अनिल झंझडीवाल के निर्देशन में मंगलवार को निश्शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। डा. वर्षा रोकड़े और डा. रेमसिंग खरते ने 68 मरीजों की जांच कर आयुर्वेद पद्धति से उपचार किया। इनमें से 24 मरीजों की शुगर की जांच भी की गई।

डा. अनिल झंझडीवाल ने कहा कि आयुर्वेद केवल उपचार की पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। यह हमें प्रकृति के साथ संतुलित रहना सिखाता है। आयुर्वेद चिकित्सक डा. शांतिलाल भिलावेकर ने कहा कि मानव और प्रकृति का रिश्ता अविभाज्य है। आयुर्वेद इस रिश्ते को और गहरा बनाता है।

उन्होंने कहा कि हमें जड़ी-बूटियों और प्राकृतिक संसाधनों से ही वास्तविक स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है। जनसंपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया कि शिविर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत औषधीय पौधों का वितरण किया गया।

शिविर में आयुष विभाग के आसिफ इकबाल, राधाकिशन मुजाल्दे, हर्षल पाटिल, सलोनी ठाकुर, विनोद खैरे और जितेंद्र उपस्थित रहे। नेपा लिमिटेड अस्पताल की ओर से रेमो फ्रांसिस, मोहिंदर यादव, हैरिसन भंडारे, जगदीश चौहान आदि ने सहयोग किया।

आयुर्वेद चिकित्सा शिविर में जांच करातीं महिलाएं। ● नईदुनिया

आयुर्वेद दिवस मनाकर अपनाने की दी सलाह

आयुर्वेदिक दिवस पर ग्राम अंबाड़ा में आयुर्वेद का महत्व बताते हुए इसे अपनाने पर जोर दिया गया। शासकीय आयुर्वेदिक अस्पताल में भगवान धन्वन्तरि, भारत माता, डा. भीमराव आंबेडकर के चित्र का पूजन किया गया। इसके बाद परिसर में पौधारोपण भी किया गया। अतिथियों से आयुर्वेद के उपचार का महत्व बताया और कहा कि इसका उपयोग करने से ना सिर्फ बीमारी पर रोकथाम लगती है बल्कि शरीर के अन्य अंगों पर अच्छा असर पड़ता है। इसीलिए हर किसी को आयुर्वेद से उपचार करने के प्रति जागरूक किया जाना चाहिए। इस दौरान जनपद सदस्य राजू वाघमारे, नगीन भाग्यवार, उप सरपंच शिवा नायक, योग शिक्षक उत्तम राठौर एवं डा. रुवाली गवले मौजूद थे।